NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2024

Your Path to Success

खंड - अ

1. (i) विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्यायें जैसे मिर्गी, स्मृति बाधाएँ, दृष्टि एवं श्रवण संबंधी विकार के कारण होते हैं:

(A) भीड़

(B) ध्वनि प्रदूषण

(C) जल प्रदूषण

(D) वायु प्रदूषण

उत्तर - (D) वायु प्रदूषण

अथवा

(ii) दस्त, आँतों में कीड़े एवं हेपेटाइटिस बीमारियों का कारण है:

(A) भीड़

(B) ध्वनि प्रदूषण

(C) जल प्रदूषण

(D) वायु प्रदूषण

उत्तर - (C) जल प्रदूषण

2. (i) बहुसंख्यक विकल्पों के कारण इस द्वंद्व को 'मिश्रित अनुग्रह' द्वंद्वों के संदर्भ में भी देखा जाता है:

(A) प्रस्ताव - प्रस्ताव

(B) परिहार - परिहार

(C) प्रस्ताव - परिहार

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) कुंठा

उत्तर - (C) प्रस्ताव - परिहार

अथवा

(ii) यह एक प्रयोगात्मक अवस्था है जो लक्ष्यों एवं आवश्यकताओं की पूर्ति न होने के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती है:

(A) प्रस्ताव - प्रस्ताव

(B) परिहार - परिहार

(C) प्रस्ताव - परिहार

(D) कुंठा

उत्तर - (D) कुंठा

3. भाषा के प्रयोग पर प्रभाव होता है:

(A) उम्र का

(B) लिंग का

(C) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का

(D) उपरोक्त सभी का

उत्तर - (D) उपरोक्त सभी का

4. (i) उस अवस्था को पहचानिए जब संतोषजनक विषमलिंगी समायोजन सुसाध्य या बाधित होते हैं, जब जीविका की योजना बनाई जाती है और जीवन-दर्शन का निर्माण होता है:

(A) शैशवावस्था

(B) किशोरावस्था

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) प्रौढ़ावस्था

(D) बाल्यावस्था

उत्तर - (B) किशोरावस्था

अथवा

(ii) किशोर के लिए प्रौढ़ावस्था में प्रवेश करना कितना आसान है यह निर्भर करता है:

(A) व्यक्तिगत गुणों पर

(B) परिवेश से प्राप्त सहायता पर

(C) व्यक्तिगत अनुभवों पर

(D) उपरोक्त सभी पर

उत्तर - (D) उपरोक्त सभी पर

5. (i) उस प्रक्रिया को पहचानिए जिसके द्वारा एक वस्तु का आंतरिक प्रतिनिधित्व बनता है:

(A) संवेदना

(B) अवधान

(C) प्रत्यक्षीकरण

(D) अभिज्ञान

उत्तर - (C) प्रत्यक्षीकरण

अथवा

(ii) निम्नलिखित में से कौन दूरी के निर्णय और त्रिविमीय स्थान को देखने की योग्यता होती है?

(A) प्रत्यक्षणात्मक समूहीकरण

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(B) प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता

(C) गहराई प्रत्यक्षण

(D) भ्रम

उत्तर - (C) गहराई प्रत्यक्षण

6. (i) इसका संबंध व्यक्ति की उन मनोदैहिक प्रणालियों के गतिशील संगठन से है जो वातावरण से उसके अनोखे समायोजन को निर्धारित करता है:

(A) बुद्धि

(B) व्यक्तित्व

(C) रुचि

(D) अभिवृत्ति

उत्तर - (B) व्यक्तित्व

अथवा

(ii) वैयक्तिक विभिन्नतायें ____ के कारण घटित होती हैं।

(A) अनुवांशिकी

(B) परिवेश

(C) दोनों (A) एवं (B)

(D) केवल मीडिया

उत्तर - (C) दोनों (A) एवं (B)

7. क्रोध, उदासीनता, सामाजिक पलायन और सीखी हुई लाचारी मुख्यतः प्रभाव है:

(A) भीड़ का

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(B) वायु प्रदूषण का

(C) ध्वनि प्रदूषण का

(D) जल प्रदूषण का

उत्तर - (A) भीड़ का

8. प्रभावी संप्रेषण की विशेषता है:

(A) नैतिक मानक

(B) समान रुचि

(C) राष्ट्रीय एकीकरण

(D) दायित्व

उत्तर - (A) नैतिक मानक

9. किशोरावस्था में विकास की तीव्रता ____ से निकलने वाले हार्मोन की बढ़ोत्तरी से जुड़ा होता है:

(A) पसीने की ग्रंथि

(B) वसामय ग्रंथि

(C) पीट्यूटरी ग्रंथि

(D) लीवर

उत्तर - (C) पीट्यूटरी ग्रंथि

10. (i) शारीरिक ऊर्जा की निम्नतम मात्रा जो एक संवेदी अनुभव को उत्पन्न करने में लगती है, वह है:

(A) पूर्ण अवसीमा

(B) अंतर मापदण्ड

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) आवृत्ति

(D) स्वरमान

उत्तर - (A) पूर्ण अवसीमा

अथवा

(ii) इसका संदर्भ दिए गए समय में एक तरंग में चक्रों की संख्या से है:

(A) पूर्ण अवसीमा

(B) विभेदन अवसीमा

(C) आवृत्ति

(D) स्वरमान

उत्तर - (C) आवृत्ति

11. यह व्यक्ति की कार्य करने की संभाव्य योग्यता है जो सामान्यतः योग्यताओं के संयोजन से बनती है:

(A) बुद्धि

(B) व्यक्तित्व

(C) रुचि

(D) अभिवृत्ति

उत्तर - (D) अभिवृत्ति

12. संगठन की यह प्रक्रिया मानवीय संसाधन, पूँजी, तकनीक, सामग्री और सूचनाओं के रूप में हो सकती है:

(A) निवेश

(B) उपज

(C) पर्यावरण

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) सामाजीकरण

उत्तर - (A) निवेश

13. इस मार्ग की पहचान कीजिए जिसमें लोगों के मध्य सामाजिक दूरियों का प्रयोग होता है:

(A) शारीरिक गतिविधियाँ

(B) हाव-भाव

(C) सन्निकटता

(D) स्पर्श

उत्तर - (C) सन्निकटता

14. (i) लिंग पहचान स्थापित होती है:

(A) 3 से 4 साल में

(B) 5 से 6 साल में

(C) 7 से 8 साल में

(D) 9 से 10 साल में

उत्तर - (A) 3 से 4 साल में

अथवा

(ii) 'लिंग स्थिरता' स्थापित होती है:

(A) 3 से 4 साल में

(B) 5 से 6 साल में

(C) 7 से 8 साल में

(D) 9 से 10 साल में

उत्तर - (B) 5 से 6 साल में

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

15. (i) संगठन की यह उपव्यवस्था ज्ञान, सुविधाओं, उपकरणों इत्यादि के प्रयोग की ओर इशारा करती है:

(A) मनोवैज्ञानिक

(B) संरचनात्मक

(C) प्रबन्धकीय

(D) तकनीकी

उत्तर - (D) तकनीकी

अथवा

(ii) संगठन की यह उपव्यवस्था विभिन्न इकाइयों में अच्छी तरह से परिभाषित कार्यों और एकीकृत गतिविधियों की ओर इशारा करती है:

(A) मनोवैज्ञानिक

(B) संरचनात्मक

(C) प्रबन्धकीय

(D) तकनीकी

उत्तर - (B) संरचनात्मक

16. (i) इनमें से कौन सा कथन सही नहीं है?

(A) संप्रेषण एक निरंतर प्रक्रिया है।

(B) हम शब्दों के द्वारा संप्रेषण करते हैं।

(C) हम शारीरिक चेष्टाओं के द्वारा संप्रेषण करते हैं।

(D) हम स्वर शैली व शारीरिक मुद्राओं द्वारा संप्रेषण नहीं कर सकते।

उत्तर - (D) हम स्वर शैली व शारीरिक मुद्राओं द्वारा संप्रेषण नहीं कर सकते।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

(ii) माता-पिता अपने बच्चों को बताते हैं कि धूम्रपान और मद्यपान हानिकारक है। इस अभिवृत्ति का निर्माण ____ के द्वारा होता है।

(A) सीधा संपर्क

(B) सीधा निर्देश

(C) दूसरों के साथ अंतः क्रिया

(D) प्रेक्षणात्मक अधिगम

उत्तर - (B) सीधा निर्देश

17. संगठन के वातावरण के उस निर्धारक को पहचानिए जो इसके पर्यवेक्षक, अधीनस्थ और सहकर्मियों के मध्य आपसी संबंधों का आधार बनता है:

(A) संगठनात्मक संरचना

(B) तकनीक

(C) बाह्य पर्यावरण

(D) प्रबंधकीय नीतियाँ और कार्य प्रणाली

उत्तर - (A) संगठनात्मक संरचना

18. (i) संगठन में जब प्रबंधन आदेशों को पूरा करने के लिए धमकी और सजा का प्रयोग करता है। इस नेतृत्व शैली को पहचानिए:

(A) सहभागी

(B) मंत्रणात्मक

(C) पितृसुलभ

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) सत्तावादी

उत्तर - (D) सत्तावादी

अथवा

(ii) यह नेतृत्व शैली अधिकारी और कर्मचारी के मध्य द्विमार्गीय वार्तालाप को समाहित करता है:

(A) सहभागी

(B) मंत्रणात्मक

(C) पितृसुलभ

(D) सत्तावादी

उत्तर - (B) मंत्रणात्मक

19. इस प्रक्रिया के द्वारा एक कर्मचारी संस्था के अंदर जगह बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशलों को ग्रहण करता है:

(A) अधिकारी अधीनस्थ संबंध

(B) सहकर्मियों के साथ संबंध

(C) संगठनात्मक सामाजीकरण

(D) संप्रेषण

उत्तर - (C) संगठनात्मक सामाजीकरण

20. इसका तात्पर्य संसाधनों के भण्डार की सुरक्षा जिसमें पर्यावरणीय संसाधन और पूर्णतः प्रयोग किये जाने वाले संसाधन शामिल हैं:

(A) स्थायी विकास

(B) भूमंडलीय ताप

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) ग्रीन हाउस प्रभाव

(D) उपभोग

उत्तर - (A) स्थायी विकास

21. किन्हीं दो का उत्तर दीजिए:

(i) सुकृति हमेशा अपनी अलमारी की वस्तुओं को व्यवस्थित करती रहती है। कोई व्यक्ति उसकी वस्तुओं को खो देगा इस बात का ख्याल उसे चिंतित करता है। सुकृति के मनोविकार की पहचान कीजिए।

उत्तर - बाध्यकारी विकार (OCD)

(ii) तान्या अपने पूर्व की घटनाओं को याद करने में असमर्थ है। यह स्थिति उसके पति के एक दुर्घटना में निधन के बाद उत्पन्न हुई है। तान्या के केस में मनोविकार की पहचान कीजिए।

उत्तर - वियोजनात्मक विस्मृति

(iii) तनाव की किन्हीं दो व्यवहारिक प्रतिक्रियाओं को लिखिए।

उत्तर - चिड़चिड़ापन और नींद न आना

(iv) तनाव की किन्हीं दो भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को लिखिए।

उत्तर - चिंता और क्रोध

22. (i) 'रुचि' को परिभाषित कीजिए।

उत्तर - रुचि वह प्रेरक शक्ति जो किसी क्रिया की ओर ध्यान आकर्षित करती है।

(ii) रुचि मापक का कोई एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर - स्ट्रांग वोकेशनल ब्लैंक (एस.वी.आई.बी)

23. किन्हीं दो का उत्तर दीजिए:

(i) अमौखिक संप्रेषण आत्म प्रस्तुतिकरण में सहायक है। (सत्य/असत्य)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - सत्य

(ii) हैप्टिक्स ____ एवं संस्कृति के कार्य को उल्लेखित करता है।

उत्तर - स्पर्श

(iii) जल्दी-जल्दी बोलकर संप्रेषण को प्रभावी बनाया जा सकता है। (सत्य/असत्य)

उत्तर – असत्य (बहुत तेज बोलने से संदेश की स्पष्टता कम हो जाती है और श्रोता के लिए उसे समझना कठिन हो जाता है, जिससे संचार प्रभावी नहीं रहता।)

(iv) विज्ञापन दाता ____ का प्रयोग अपनी वस्तुओं को बेचने के लिए करते हैं।

उत्तर - अनुनय

24. किन्हीं दो का उत्तर दीजिए:

(i) संज्ञानात्मक विकास क्या है?

उत्तर - संज्ञानात्मक विकास मानसिक प्रक्रियाओं का विकास है, जिसमें चिंतन, विचार, स्मृति, धारणा, समस्या समाधान और भाषा का विकास शामिल है।

(ii) संज्ञानात्मक विकास की उस उप-अवस्था को पहचानिए जिसमें बच्चे वस्तुओं का मानसिक प्रतिबिंब बना लेते हैं।

उत्तर - पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2 से 7 वर्ष की आयु के बीच)

(iii) पियाजे के अनुसार विश्व को किसी दूसरे तरीके से देखने की अक्षमता ____ कहलाती है।

उत्तर - आत्म-केन्द्रितता

(iv) एकाग्रता का अर्थ है ____।

उत्तर - एक पहलू पर ध्यान केंद्रित करना

25. (i) भाषा को सीखने की प्रक्रिया ____ कहलाती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - शाब्दिक सीखना

(ii) ____ उस प्रक्रिया को इंगित करता है जिसमें पहले सीखे गए व्यवहार का नई परिस्थिति में प्रयोग किया जाता है।

उत्तर - अधिगम स्थानांतरण

26. (i) मनोवैज्ञानिक परीक्षण का यह गुण समरूपता एवं वस्तुनिष्ठता को आश्वस्त करता है। इस गुण को पहचानिए।

उत्तर - मानकीकरण

(ii) योग्यता के परीक्षण निहित शक्ति का मापन करते हैं। कोई एक योग्यता परीक्षण सुझाइए।

उत्तर - बुद्धि परीक्षण

27. (i) कार्य विवरण का कोई एक उद्देश्य बताइए।

उत्तर - ज्ञान और सूचना देना

(ii) सही कैरियर के निर्णय के किसी एक परिणाम को बताइए।

उत्तर - उच्च कार्य-संतुष्टि

28. किन्हीं दो का उत्तर दीजिए:

(i) औसत बुद्धि लब्धि कितनी होती है?

उत्तर - 90-110

(ii) बुद्धि लब्धि का विचार 18 वर्ष के ऊपर के लोगों के लिए कोई अधिक महत्व नहीं रखता है।

उत्तर - सत्य

(iii) संचार माध्यमों के किसी एक सकारात्मक प्रभाव को बताइए।

उत्तर - त्वरित सूचना प्रसार

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iv) लोगों में संदेश ग्रहण करने की क्षमता असीमित होती है। (सत्य/असत्य)

उत्तर – असत्य (लोगों में संदेश ग्रहण करने की क्षमता सीमित होती है।)

29. पालने के तरीके को पहचानिए जब:

(i) माँग करना, नियंत्रण करना, गहन पालन करना।

उत्तर -

(ii) तुष्ट होना, बिना किसी माँग के पालन करना।

उत्तर - अनुज्ञात्मक

30. शास्त्रीय अनुबंधन को पॉवलाव का सिद्धांत भी कहा जाता है। उसने उद्दीपन और अनुक्रिया के संबंधों का अध्ययन किया। उन्होंने कुत्तों पर अध्ययन किये। विवरण के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) पॉवलाव अध्ययन में अनअनुबंधित उत्तेजना (US) को पहचानिए।

उत्तर - भोजन

(ii) अनअनुबंधित अनुक्रिया (UR) पहचानिए।

उत्तर - लार

(iii) अनुबंधित उत्तेजना (CS) को पहचानिए।

उत्तर - घंटी

(iv) इस प्रयोग में उपार्जन क्या है?

उत्तर - संबंध स्थापना

31. निम्न में से किन्हीं चार का उत्तर दीजिए:

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(i) सारा अचानक अपना घर छोड़कर दूसरे शहर में रहना शुरू करती है। वह एक नई पहचान बनाती है जिसमें पूर्व की कोई स्मृति नहीं है। मनोविकार की पहचान कीजिए।

उत्तर - वियोजनात्मक फ्यूग

(ii) शर्ट पहनते समय अंकित बहुत सख्त व्यवहार रखता है। वह एक शर्मीला/एकांतप्रिय/ असामाजिक है जो बिल्कुल नहीं मुस्कुराता एवं देर से भाषा सीखता है। अंकित के मनोविकार को पहचानिए।

उत्तर - स्वलीनता

(iii) कुमार को अक्सर अपने आप से बातें करते हुए देखा जाता है। पूछने पर कुमार कहता है कि वह उसके आस-पास खड़े लोगों को देख-सुन सकता है। मनोविकार को पहचानिए।

उत्तर - मनोविदालता

(iv) अरनव एक आठ साल का लड़का है। उसके माता-पिता उसके कक्षा में ध्यान नहीं देने के कारण चिंतित रहते हैं। पढ़ते समय हमेशा उसका ध्यान भटकता है। अरनव किस मनोविकार से पीड़ित है?

उत्तर - ADHD

(v) मनोचिकित्सा में सेवार्थियों से अच्छे और क्रियाशील संबंध बनाना ____ कहलाता है।

उत्तर - सौहार्द स्थापना

(vi) पड़ाव जो वांछित परिणामों की प्राप्ति के बाद आता है, कहलाता है ____।

उत्तर - समाप्ति

32. किन्हीं चार का उत्तर दीजिए:

(i) व्यक्तित्व के स्वयंवर्णित मापक का कोई एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर - 16PF

(ii) इस प्रकार के व्यक्तित्व परीक्षण में असंरचित या अस्पष्ट उद्दीपक का प्रयोग किया जाता है।

उत्तर - प्रक्षेपी परीक्षण

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iii) व्यक्तित्व के यह मापक द्वितीय विश्व युद्ध के समय प्रकाश में आये।

उत्तर - MMPI

(iv) व्यावसायिक रुचि परीक्षण कागज-कलम (पेंसिल) परीक्षण होते हैं। (सत्य/असत्य)

उत्तर - सत्य

(v) कौन-सा परिप्रेक्ष्य व्यक्तित्व को अंतर्मुखी और बाह्यमुखी के रूप में पहचानता है?

उत्तर - कार्ल जुंग

(vi) व्यक्तित्व का कौन-सा परिप्रेक्ष्य सिगमंड फ्रायड ने दिया था?

उत्तर - मनोविश्लेषणात्मक

खंड – ब

33. मानसिक प्रक्रियाओं को समझने के व्यवहारवादी उपागम की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - व्यवहारवाद मनोविज्ञान का वह संप्रदाय है जो केवल मापने योग्य और अवलोकन योग्य व्यवहार पर ध्यान केंद्रित करता है। जे.बी. वॉटसन इसके जनक थे। यह मानता है कि व्यवहार उद्दीपक-अनुक्रिया (S-R) के बीच एक संबंध है, जिसमें मन या चेतना जैसे आंतरिक तत्वों का कोई स्थान नहीं है।

34. उदान (चिंतन क्षमता) किसे कहते हैं?

उत्तर - प्राणमय कोश के अंतर्गत 'उदान' वह ऊर्जा है जो गले के क्षेत्र में स्थित होती है। यह हमारी उच्च मानसिक क्षमताओं, जैसे चिंतन, नए सिद्धांतों का निर्माण और आत्म-शिक्षा को नियंत्रित करती है। यह व्यक्ति को वर्तमान से ऊपर उठाकर बौद्धिक और आध्यात्मिक उन्नति की ओर ले जाती है।

35. सामाजिक संज्ञान की परिभाषा दीजिए।

उत्तर - सामाजिक संज्ञान वह मानसिक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति दूसरों के बारे में जानकारी प्राप्त करता हैं, उसे समझता हैं और सामाजिक परिस्थितियों में निर्णय लेता हैं। इसमें व्यक्ति की दूसरों के प्रति धारणा और उनके व्यवहार के पीछे के कारणों को समझने की क्षमता शामिल होती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

36. 'अवधान' की संकल्पना की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - अवधान वह मानसिक प्रक्रिया है जिसमें हम अपने परिवेश के ढेरों उद्दीपकों में से किसी एक विशेष उद्दीपक पर अपनी चेतना को केंद्रित करते हैं। यह चयनात्मक होता है। जैसे भीड़ में अपनी माँ की आवाज़ सुनना। यह सीखने और याद रखने के लिए प्राथमिक आवश्यकता है।

37. अभिवृत्ति के किन्हीं दो कार्यों को लिखिए।

उत्तर - अभिवृत्ति के दो प्रमुख कार्य हैं :-

1. ज्ञान कार्य - यह हमें दुनिया को व्यवस्थित करने और समझने के लिए एक ढांचा प्रदान करती है।

2. अहम्-रक्षा कार्य - यह हमारे आत्म-सम्मान को बचाने और आंतरिक संघर्षों से रक्षा करने में हमारी सहायता करती है।

38. क्षेत्र प्रयोग क्या है?

उत्तर - यह वह शोध विधि है जो प्रयोगशाला के कृत्रिम वातावरण के बजाय वास्तविक जीवन की परिस्थितियों (जैसे स्कूल या बाजार) में की जाती है। इसमें शोधकर्ता स्वतंत्र चर में हेरफेर करके आश्रित चर पर उसके प्रभाव का अध्ययन करता है ताकि व्यवहार के वास्तविक कारणों का पता चल सके।

39. (i) हर व्यक्ति तीनों गुणों का संयोजन है। कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

उत्तर - भारतीय दृष्टिकोण के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति का व्यक्तित्व सत्व (ज्ञान और शांति), रजस (क्रिया और इच्छा) तथा तमस (अंधकार और आलस्य) का मिश्रण है। कोई भी व्यक्ति केवल एक गुण वाला नहीं होता; इन तीनों गुणों का अनुपात ही व्यक्ति के विशिष्ट स्वभाव और व्यवहार को निर्धारित करता है। संतुलित व्यक्तित्व के लिए सत्व गुण की प्रधानता आवश्यक मानी जाती है।

अथवा

(ii) श्री अरबिंदो के अनुसार, चेतना के स्तर की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - अरविंदो के अनुसार चेतना: श्री अरविंदो ने चेतना के दो मॉडल दिए हैं: संकेंद्रित और ऊर्ध्वाधर। संकेंद्रित मॉडल कोशों की तरह है, जिसमें बाहरी जागरूक मन से लेकर अंतरतम 'आत्मा' तक के स्तर होते हैं। ऊर्ध्वाधर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

मॉडल एक सीढ़ी की तरह है, जो निम्नतम भौतिक चेतना से उच्चतम अतिमानस (Supermind) की ओर विकास को दर्शाता है।

40. प्रयोगात्मक अध्ययनों में सुसंगत चरों का वर्णन कीजिए।

उत्तर - प्रयोगात्मक अध्ययनों में सुसंगत चर वे बाहरी कारक होते हैं जो स्वतंत्र चर के अलावा आश्रित चर को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। प्रयोग की वैज्ञानिक शुद्धता हेतु शोधकर्ता इन चरों को नियंत्रित या स्थिर रखता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि व्यवहार में परिवर्तन केवल स्वतंत्र चर के कारण हैं, न कि बाहरी प्रभाव का परिणाम। यह प्रयोगात्मक विधि की वैधता और परिणामों की विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु अनिवार्य होता है। यह शोध का आधार है।

41. प्रौढ़ावस्था के लक्षणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर - प्रौढ़ावस्था, जो 40 से 60 वर्ष के बीच होती है, जीवन का महत्वपूर्ण संक्रमण काल है। इस अवस्था में व्यक्ति अपनी पिछली उपलब्धियों और जीवन उद्देश्यों का गहराई से पुनर्मूल्यांकन करता है। मुख्य लक्षण उत्पादकता और अगली पीढ़ी के लिए सार्थक योगदान देने की चिंता है। यदि व्यक्ति को लगता है कि उसने कुछ हासिल नहीं किया, तो वह ठहराव महसूस करने लगता है। यह समय जीवन की वास्तविक सार्थकता और अपनी विरासत खोजने का मुख्य काल होता है।

42. कमजोर मानसिक स्वास्थ्य के लक्षण बताइए।

उत्तर - कमजोर मानसिक स्वास्थ्य के प्रमुख लक्षणों में निरंतर चिंता, अत्यधिक क्रोध, चिड़चिड़ापन और छोटी समस्याओं पर भी गहरी निराशा महसूस करना शामिल है। व्यक्ति की दैनिक दिनचर्या, जैसे नींद और भूख का पैटर्न, अनयंत्रित हो जाता है। वह धीरे-धीरे सामाजिक संबंधों से कटने लगता है और उसमें आत्मविश्वास की भारी कमी देखी जाती है। यह स्थिति व्यक्ति की निर्णय लेने की क्षमता और समग्र जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। ये मानसिक अस्वस्थता के महत्वपूर्ण संकेत होते हैं।

43. (i) अभिवृत्ति के तीनों पहलुओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर - अभिवृत्ति के तीन मुख्य पहलू होते हैं जिन्हें एबीसी मॉडल कहा जाता है।

1. **भावात्मक पहलू –** यह किसी वस्तु के प्रति हमारी भावनाओं या पसंद-नापसंद को दर्शाता है।
2. **व्यवहारात्मक पहलू -** यह उस वस्तु के प्रति हमारे कार्य करने के तरीके को इंगित करता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3. **संज्ञानात्मक पहलू** - यह वस्तु के बारे में हमारे ज्ञान और विश्वासों से संबंधित है।

इन तीनों घटकों के मेल से ही किसी के प्रति हमारा दृष्टिकोण विकसित होता है, जो व्यवहार को दिशा देता है।

अथवा

(ii) अभिवृत्ति परिवर्तन के किन्हीं तीन महत्वपूर्ण कारकों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - अभिवृत्ति परिवर्तन मुख्य रूप से तीन महत्वपूर्ण कारकों पर निर्भर करता है।

1. **स्रोत** - यानी संदेश देने वाला व्यक्ति कितना विश्वसनीय है।
2. **प्रकृति** – इसमें जानकारी की तार्किकता और संवेगात्मक अपील शामिल होती है।
3. **प्राप्तकर्ता की विशेषताएं** - जैसे उसकी बुद्धि और व्यक्तित्व।

ये तीनों कारक सामूहिक रूप से निर्धारित करते हैं कि दृष्टिकोण में कितना बदलाव आएगा। यह सामाजिक संज्ञान की एक महत्वपूर्ण और आवश्यक प्रक्रिया है।

44. (i) 'प्रकृति के अधीन मानव'। मानव-परिवेश के संबंधों को समझने वाले इस दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - 'प्रकृति के अधीन मानव' दृष्टिकोण यह मानता है कि प्रकृति सर्वोच्च सत्ता है और मनुष्य उसके आगे विवश है। इस विचारधारा के अनुसार, मनुष्य प्राकृतिक आपदाओं और शक्तियों से सदैव भयभीत रहता था। वह वैज्ञानिक समझ के अभाव में सूर्य, चंद्रमा और वृक्षों की पूजा पारलौकिक शक्तियों के रूप में करता था। यहाँ मानवीय क्षमताओं को प्रकृति की तुलना में नगण्य माना जाता है और मनुष्य स्वयं को प्राकृतिक नियमों का दास समझता है। यह मानव-परिवेश संबंध का प्राथमिक स्वरूप है।

अथवा

(ii) प्रकृति और मानव के बीच सहजीवी संबंध क्या है?

उत्तर - प्रकृति और मानव के बीच सहजीवी संबंध का अर्थ परस्पर निर्भरता और गहरे सम्मान का रिश्ता है। इस दृष्टिकोण के अनुसार, मनुष्य अपनी आवश्यकताओं के लिए प्रकृति से संसाधन प्राप्त करता है, लेकिन साथ ही वह प्रकृति के संरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाता है। यह एक संतुलित व्यवस्था है जहाँ मनुष्य प्राकृतिक संपदा का

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

शोषण नहीं करता, बल्कि पर्यावरण की सीमाओं को समझते हुए संसाधनों को सुरक्षित रखता है। यह संबंध स्थायी विकास के लिए आज के युग में अत्यंत आवश्यक है।

45. (i) विज्ञानमय कोश - बौद्धिक आवरण का वर्णन कीजिए।

उत्तर - विज्ञानमय कोश व्यक्तित्व के पंचकोशों में चौथा महत्वपूर्ण स्तर है, जो मनोमय कोश के ठीक भीतर स्थित होता है। इसे 'बौद्धिक आवरण' भी कहा जाता है क्योंकि यह हमारी उच्च बुद्धि, तार्किक शक्ति, स्मृति और सूक्ष्म निर्णय लेने की क्षमता का मुख्य केंद्र है।

जहाँ मन केवल इंद्रियों के माध्यम से बाहरी सूचनाएं और संवेदनाएं ग्रहण करता है, वहीं 'बुद्धि' उन सूचनाओं का गहन विश्लेषण कर विवेकपूर्ण निर्णय लेती है। इस कोश का विकास निरंतर स्वाध्याय, कठिन समस्याओं को सुलझाने और शोध कार्यों से होता है। यह व्यक्ति को इंद्रियों के दासत्व से मुक्त कर उच्च सत्य, नैतिकता और आध्यात्मिक ज्ञान की खोज में आगे बढ़ाता है।

अथवा

(ii) अरबिंदो के अनुसार चेतना के स्तरों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - श्री अरबिंदों के अनुसार, चेतना का विकास जड़ (Matter) से शुरू होकर अतिमानस (Supermind) की ओर निरंतर बढ़ता रहता है। उन्होंने चेतना के दो मुख्य मॉडल प्रस्तुत किए हैं: संकेंद्रित और ऊर्ध्वाधर।

संकेंद्रित मॉडल में चेतना बाहरी जागरूक मन से शुरू होकर अंतरतम 'चैत्य पुरुष' या आत्मा तक जाती है, जो ऊर्जा का दिव्य केंद्र है। **ऊर्ध्वाधर मॉडल** एक सीढ़ी के समान है, जो अज्ञानता भरी भौतिक चेतना से शुरू होकर ज्ञान और आनंद से परिपूर्ण दिव्य पूर्णता की ओर बढ़ता है। अरबिंदों का मानना है कि मानव विकास अभी अधूरा है और योग के माध्यम से उच्चतर चेतना प्राप्त कर व्यक्ति अज्ञानता के बंधनों को तोड़कर पूर्ण आनंद की स्थिति प्राप्त कर सकता है।

46. (i) अच्छे मानसिक स्वास्थ्य और स्वच्छता को बनाए रखने के लिए कुछ रणनीतियाँ सुझाइए।

उत्तर - अच्छे मानसिक स्वास्थ्य और स्वच्छता हेतु आयुर्वेद 'आहार, विहार, आचार और विचार' के संतुलन पर विशेष बल देता है। मुख्य रणनीतियों में यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना, अपने संवेगों जैसे क्रोध और भय पर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

नियंत्रण रखना और सकारात्मक सोच विकसित करना शामिल है। समय प्रबंधन के माध्यम से दैनिक तनाव को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, नियमित योगाभ्यास, संतुलित सात्विक भोजन और पर्याप्त विश्राम मानसिक स्वच्छता के लिए अनिवार्य तत्व हैं। दूसरों के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार, करुणा और परोपकार की भावना भी मानसिक शांति और आत्म-संतोष प्रदान करने में बहुत सहायक होती है। ये सभी उपाय व्यक्ति को भावनात्मक और सामाजिक रूप से सुदृढ़ बनाते हैं और रोगों से बचाव करते हैं।

अथवा

(ii) स्वास्थ्य शब्द से आप क्या समझते हैं? मानसिक अस्वस्थता और मानसिक रोग में क्या अंतर होता है?

उत्तर - विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, स्वास्थ्य केवल बीमारी की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक कुशलता की एक संपूर्ण अवस्था है।

मानसिक अस्वस्थता एक व्यापक स्थिति है जिसमें व्यक्ति में सकारात्मक स्वास्थ्य का अभाव होता है; यह अक्सर अस्थायी तनाव, कुंठा या जीवन की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के कारण उत्पन्न होती है। इसके विपरीत, **मानसिक रोग** एक गंभीर चिकित्सकीय स्थिति है जिसमें व्यक्ति के चिंतन, प्रत्यक्षीकरण और व्यवहार में गहरा दोष आ जाता है। अस्वस्थता में सुधार व्यक्ति स्वयं के प्रयासों, जीवनशैली में बदलाव और परामर्श से कर सकता है, परंतु मानसिक रोग (जैसे मनोविदालता) के उपचार के लिए पेशेवर चिकित्सकीय सहायता, दवाओं और लंबी चिकित्सा प्रक्रिया की अनिवार्य आवश्यकता होती है।

47. वृद्धावस्था में स्वस्थ कैसे रहा जा सकता है? चर्चा कीजिए।

उत्तर - वृद्धावस्था में स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर निरंतर सक्रियता अनिवार्य है।

व्यक्ति को अपने जीवन के बीते अनुभवों को संतोष और गरिमा के साथ स्वीकार करना चाहिए, जिससे मृत्यु का भय कम होता है और मानसिक शांति बनी रहती है। नियमित हल्का व्यायाम, प्रातःकालीन सैर, योग और सुपाच्य सात्विक आहार शरीर को वृद्धावस्था की बीमारियों से सुरक्षित रखता है। सामाजिक रूप से सक्रिय रहना, मित्रों से मिलना और परिवार के छोटे कार्यों में योगदान देना अकेलेपन और अवसाद को दूर रखता है। अपनी पुरानी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

रुचियों को जीवित रखना और एक सकारात्मक जीवन दर्शन विकसित करना इस अवस्था में स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और दीर्घायु सुनिश्चित करने का सबसे सर्वोत्तम और प्रभावशाली तरीका माना जाता है।

48. मास्लो द्वारा प्रतिपादित आवश्यकताओं के पदानुक्रम का वर्णन कीजिए।

उत्तर - अब्राहम मास्लो ने मानवीय प्रेरणा और विकास को समझने के लिए आवश्यकताओं को पाँच स्तरों के पदानुक्रम में विभाजित किया है।

1. आधार पर 'शारीरिक आवश्यकताएँ' (भोजन, पानी, नींद) हैं
2. इनके पूरा होने पर 'सुरक्षा' (घर, नौकरी, स्वास्थ्य) की माँग उठती है।
3. तीसरा स्तर 'सामाजिक आवश्यकताओं' (प्रेम, परिवार, मित्रता) का है और चौथा स्तर 'आत्म-सम्मान' (मान-प्रतिष्ठा, पहचान) का है।
4. पिरामिड के शीर्ष पर 'आत्म-सिद्धि' है, जहाँ व्यक्ति अपनी पूरी क्षमता और जीवन के वास्तविक उद्देश्य का अनुभव करता है।
5. मास्लो के अनुसार, जब तक व्यक्ति की निम्न स्तर की बुनियादी ज़रूरतें संतुष्ट नहीं होतीं, वह उच्च स्तर की प्रेरणा या आत्म-विकास की दिशा में सक्रिय रूप से नहीं बढ़ सकता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

OCTOBER-2024

Your Path to Success

खंड - अ

1. वह प्रक्रिया जिसके द्वारा एक व्यक्ति अपने चाह को पूरा करने की तरफ बढ़ता है उसे कहते हैं:

(A) आवश्यकता

(B) प्रलोभन

(C) अभिप्रेरणा

(D) उद्देश्य

उत्तर- (C) अभिप्रेरणा

2. इस उपागम के अन्तर्गत भावनाओं, स्मृतियों, संवेगों और व्यवहार के अन्य पहलुओं के नियंत्रण में मस्तिष्क के विभिन्न भागों की भूमिका पर बल दिया जाता है:

(A) जैविक

(B) मनोविश्लेषणात्मक

(C) मानवतावादी

(D) व्यवहारवादी

उत्तर- (A) जैविक

3. इसे लोगों, वस्तुओं तथा परिस्थितियों के प्रति हमारे अनुकूल या प्रतिकूल मूल्यांकन के रूप में परिभाषित किया जाता है:

(A) रुचि

(B) अभिवृत्ति

(C) सामाजिक संज्ञान

(D) अनुनयन

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर- (B) अभिवृत्ति

4. एक विद्यार्थी किसी विशेष विषय में अच्छे अंक प्राप्त नहीं कर पाता परंतु वह अन्य विषयों में अच्छे अंकों को प्राप्त करता है और वह इस सत्य को स्वीकारने की कोशिश करता है। यह प्रतिक्रिया तनाव से निपटने के किस तरीके के अंतर्गत आती है?

(A) प्रतिरक्षा-अभिविन्यस्त

(B) मनोभाव-केन्द्रित

(C) कार्य-अभिविन्यस्त

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (C) कार्य-अभिविन्यस्त

5. उपलब्धि अभिप्रेरणा को बच्चे अपने माता-पिता, आदर्शों एवं सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों के माध्यम से ग्रहण करते हैं। यह ____ के अंतर्गत आता है।

(A) प्राथमिक आवश्यकताओं

(B) गौण आवश्यकताओं

(C) (A) व (B) दोनों

(D) जैविक आवश्यकताओं

उत्तर- (B) गौण आवश्यकताओं

6. यह व्यक्ति की उन मनोदैहिक प्रणालियों का गतिशील संगठन है जो वातावरण से उसके अनोखे समायोजन को निर्धारित करता है:

(A) बुद्धि

(B) रुचि

(C) अभिवृत्ति

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) व्यक्तित्व

उत्तर- (D) व्यक्तित्व

7. भारतीय परंपरा में प्रौढ़ता की अवधि को ____ आश्रम कहते हैं।

(A) ब्रह्मचर्य

(B) गृहस्थ

(C) वानप्रस्थ

(D) संन्यास

उत्तर- (B) गृहस्थ

8. स्वास्थ्य समस्यायें जैसे मिर्गी, स्मृति बाधायें, दृष्टि एवं श्रवण संबंधी विकार ____ के कारण होती हैं।

(A) वायु प्रदूषण

(B) जल प्रदूषण

(C) मृदा प्रदूषण

(D) शोर

उत्तर- (A) वायु प्रदूषण

9. आशा की माँ अपने घर पर व गाड़ी चलाते समय हिन्दी शास्त्रीय संगीत सुनती है। आशा यह संगीत सुनते-सुनते बड़ी हुई है और अब वह भी इस तरह के संगीत को पसंद करती है। अभिवृत्ति निर्माण के लिये इस तरह के सीखने के प्रकार को पहचानिए:

(A) सीधा संपर्क

(B) सीधा निर्देश

(C) दूसरों से बातचीत

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) प्रेक्षण द्वारा सीखना

उत्तर- (D) प्रेक्षण द्वारा सीखना

10. मास्लो के आवश्यकता-पदानुक्रम सिद्धांत के अनुसार आवश्यकताओं के ____ स्तर हैं।

(A) 3

(B) 4

(C) 5

(D) 6

उत्तर- (C) 5

11. इस प्रकार के व्यक्ति बहुत सक्रिय, गतिशील और कार्यशील होते हैं। त्रिगुणात्मक सिद्धांत इसे ____ व्यक्तित्व मानता है।

(A) सात्विक

(B) राजसिक

(C) तामसिक

(D) उपरोक्त सभी

उत्तर- (B) राजसिक

12. हैंस शैले ने इसे शरीर की किसी भी आवश्यकता के आधार पर अनिश्चित प्रतिक्रिया के रूप में परिभाषित किया है:

(A) तनाव का मुकाबला

(B) अनुकूलन

(C) तनाव

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) मूल्यांकन

उत्तर- (C) तनाव

13. ग्रीनहाउस गैस / गैसों को पहचानिए:

(A) कार्बन डाइऑक्साइड

(B) मीथेन

(C) सी.एफ.सी.

(D) उपरोक्त सभी

उत्तर- (D) उपरोक्त सभी

14. इस आयु को रचनात्मक तथा समाज के प्रति महत्वपूर्ण योगदान की अवधि के रूप में देखा जाता है:

(A) युवा प्रौढ़ता

(B) अधेड़ आयु

(C) वृद्धावस्था

(D) किशोरावस्था

उत्तर- (B) अधेड़ आयु

15. ____ और निष्पादन परीक्षण का प्रयोग शिक्षित और अशिक्षित दोनों प्रकार के व्यक्तियों पर किया जा सकता है।

(A) मौखिक

(B) अमौखिक

(C) वैयक्तिक

(D) समूह

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर- (B) अमौखिक

16. रीमा को स्कूल में प्राप्त प्रत्येक विषय में अच्छे अंकों के लिए 20 रु. का पुरस्कार दिया जाता है, रीमा प्राप्त कर रही है:

(A) आन्तरिक अभिप्रेरणा

(B) बाहरी अभिप्रेरणा

(C) प्राथमिक आवश्यकता

(D) विकास की आवश्यकता

उत्तर- (B) बाहरी अभिप्रेरणा

17. जब हम खुद को कुछ प्रकरणों के संबंध में सोचने से रोकते हैं तो हम ____ में व्यस्त होते हैं।

(A) अवास्तविक सोचना

(B) विचार दमन

(C) व्यक्तिगत स्कीमा समूह

(D) स्कीमा समूह भूमिका

उत्तर- (B) विचार दमन

18. इसमें किसी ऐसी चीज को देखना एवं सुनना परिलक्षित होता है, जो वास्तव में भौतिक रूप से वहाँ होती ही नहीं है:

(A) माया

(B) प्रत्यक्षीकरण

(C) भ्रमासक्ति

(D) भ्रांति

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर- (D) भ्रांति

19. भावनाओं को ____ के द्वारा आकृति प्रदान की जाती है।

(A) परिस्थिति

(B) पूर्व अनुभव

(C) संस्कृति

(D) (B) व (C) दोनों

उत्तर- (D) (B) व (C) दोनों

20. एक बालक की मानसिक आयु 12 वर्ष एवं उसकी शारीरिक आयु 8 वर्ष है तो उसकी बुद्धि लब्धि ____ है।

(A) 100

(B) 120

(C) 150

(D) 200

उत्तर- (C) 150

21. पाँच प्राण, जिनका आयुर्वेद में पाँच शारीरिक प्रणालियों के रूप में वर्णन है, प्राणमय कोश (वाइटल शीथ) कहा जाता है।

निम्नलिखित वाक्यों में प्राण के प्रकार को पहचानिए:

(i) पाचन की क्षमता ____ कहलाती है।

उत्तर- समान

(ii) चिंतन की क्षमता ____ कहलाती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर- उदान

22. उद्देश्य और परिस्थिति के स्वरूप पर निर्भर व्यक्ति जीवन में तीन प्रकार के द्वन्द्वों का सामना करता है। निम्नलिखित परिस्थितियों में द्वन्द्व के प्रकार को पहचानिए:

(i) एक कम शैक्षिक योग्यता वाले युवा को या तो बेरोजगारी का सामना करना पड़े, या फिर बहुत ही कम आय की अनचाही नौकरी को स्वीकार करना पड़े।

उत्तर- परिहार-परिहार संघर्ष

(ii) ऐसे द्वन्द्व का समाधान लक्ष्य के कुछ नकारात्मक और सकारात्मक पहलुओं को स्वीकृत करने से ही सम्भव है।

उत्तर- उपागम-परिहार संघर्ष

23. बताइए कि निम्नलिखित कथन सही हैं या गलत:

(i) हमारे संप्रेषण का अधिकतम हिस्सा अमौखिक संप्रेषण से होता है।

उत्तर- सही

(ii) लोगों में सूचना ग्रहण और संसाधित करने की असीमित क्षमता होती है।

उत्तर- गलत

24. (i) जल प्रदूषण को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- जल में अवांछनीय पदार्थों का मिल जाना जो इसे मनुष्यों और जलीय जीवन के लिए हानिकारक बनाता है

(ii) जल से उत्पन्न होने वाली किन्हीं दो बीमारियों के नाम बताइए।

उत्तर- : हेपेटाइटिस, डायरिया।

25. विकास की अवस्था को पहचानिए:

(i) इरिक्सन के अनुसार इस समयावधि को 'अंतरंगता बनाम एकान्तता' के संकट के रूप में चित्रित किया जाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर- प्रारंभिक वयस्कता

(ii) इरिक्सन इस आयु को 'उत्पादकता बनाम आत्म-तल्लीनता' के संकट के रूप में वर्णित करते हैं।

उत्तर- अधेड़ अवस्था

26. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

(i) ____ विद्यमान उद्दीपन का विकृत प्रत्यक्षीकरण है।

उत्तर- भ्रम

(ii) ____ में प्रत्यक्षीकरण उन वस्तुओं या घटनाओं का होता है जिसमें कोई बाह्य सच्चाई नहीं होती है।

उत्तर- विभ्रम

27. बताइए कि निम्नलिखित वक्तव्य सही हैं या गलत:

(i) एक अभिवृत्ति वस्तु के प्रति अभिव्यक्त संवेग का तात्पर्य अभिवृत्ति के प्रभावी घटक से है।

उत्तर- सही

(ii) विशिष्ट अभिवृत्तियाँ होना हमें दूसरों की स्वीकृति प्राप्त करने में सहायता करती है।

उत्तर- सही

28. निम्न स्थितियों में मनोविकार के प्रकार पहचानिए:

(i) जब कोई व्यक्ति बार-बार एक ही बात सोचता रहता है और अपनी क्रियाओं को दोहराता है।

उत्तर- मनोग्रसित-बाध्यता विकार

(ii) जब व्यक्ति को किसी चीज से अत्यन्त और तर्कहीन डर होता है।

उत्तर- फोबिया

29. तैतरीय उपनिषद् पंच कोशों और उनके विकास की संकल्पना देता है। निम्नलिखित वाक्यों के लिए कोशों के नाम लिखिए:

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(i) इस कोश में व्यक्ति की भावनाएं एवं संवेग सम्मिलित हैं।

उत्तर- मनोमय कोश

(ii) इस कोश की विशेषताओं में रचनात्मकता, प्रसन्नता और आनन्द आते हैं।

उत्तर- आनंदमय कोश

30. नेतृत्व शैली को पहचानिए:

(i) लक्ष्यों को तय करने में कर्मचारियों का पूरा सहयोग होता है और द्विमार्गीय वार्तालाप मानक अपनाया जाता है।

उत्तर- सहभागी

(ii) इसमें आज्ञाएं निकाली जाती हैं और लक्ष्यों का निर्धारण कर्मचारियों से सलाह लेने के बाद किया जाता है। कुछ सीमा तक समूह में कार्य करने को उत्साहित किया जाता है।

उत्तर- परामर्शी

(iii) इसके अंतर्गत पुरस्कार और भय दोनों के द्वारा आज्ञा का पालन कराया जाता है।

उत्तर- पैत्रिक

(iv) यह एक मार्गीय नीचे की ओर संवाद को समाहित करता है।

उत्तर- सत्तावादी

31. (i) 'विकासात्मक कार्य' को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- वह कार्य जो जीवन की एक निश्चित अवधि में उत्पन्न होता है, जिसकी सफलता खुशी देती है।

(ii) किशोरों के किसी एक विकासात्मक कार्य को लिखिए।

उत्तर- माता-पिता से भावनात्मक स्वतंत्रता / करियर की तैयारी।

(iii) 'लिंग भूमिका' पद से आप क्या समझते हैं?

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर- पुरुषों और महिलाओं के लिए उपयुक्त माने जाने वाले व्यवहारों की सामाजिक अपेक्षाएँ।

(iv) किस उम्र में बच्चे लिंग पहचान प्राप्त कर लेते हैं?

उत्तर- लगभग 3 वर्ष (या 3-4 वर्ष) की आयु में।

32. वाक्य पूर्ण कीजिए:

(i) मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन से तात्पर्य है ____।

उत्तर- मनोवैज्ञानिक गुणों

(ii) सिक्सटीन पर्सनेलिटी फेक्टर (16 पी. एफ.) ____ का उदाहरण है।

उत्तर- व्यक्तित्व आविष्कारिका

(iii) प्रक्षेपी परीक्षण में व्यक्ति को ____ के प्रति अनुक्रिया करनी होती है।

उत्तर- अस्पष्ट/असंरचित

(iv) ____ की अन्तःक्रिया से वैयक्तिक भिन्नताएं घटित होती हैं।

उत्तर- आनुवंशिकता और पर्यावरण

खंड – ब

33. सहभागी एवं असहभागी अवलोकन के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- सहभागिता प्रेक्षण में, शोधकर्ता उस समूह का सक्रिय सदस्य बन जाता है जिसका वह अध्ययन कर रहा है और अंदर से व्यवहार को देखता है। इसके विपरीत, असहभागिता प्रेक्षण में शोधकर्ता समूह से अलग रहकर दूर से घटनाओं और व्यवहारों का अवलोकन करता है, बिना समूह को प्रभावित किए।

अथवा

स्वाभाविक अवलोकन की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर- प्राकृतिक प्रेक्षण एक शोध विधि है जिसमें मनोवैज्ञानिक व्यवहार का अध्ययन उसके स्वाभाविक वातावरण में करते हैं। इसमें शोधकर्ता स्थिति को नियंत्रित या परिवर्तित नहीं करता है, बल्कि जैसे घटनाएँ घटती हैं, उन्हें वैसे ही रिकॉर्ड करता है। उदाहरण: स्कूल के मैदान में बच्चों के खेल का अवलोकन।

34. संगठनात्मक सामाजीकरण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिये।

उत्तर- संगठनात्मक सामाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक नया कर्मचारी संगठन में अपनी भूमिका निभाने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और व्यवहार प्राप्त करता है। यह एक दोतरफा प्रक्रिया है; कर्मचारी संगठन के मूल्यों को अपनाता है और संगठन कर्मचारी की जरूरतों के अनुसार खुद को ढालता है।

अथवा

व्याख्या कीजिये कि संगठन में सहकर्मियों एवं समवयस्क समूह के साथ संबंध कैसे विकसित होता है।

उत्तर- सहकर्मियों के साथ संबंध औपचारिक नियमों के बजाय समान पसंद-नापसंद पर आधारित होते हैं। यह कर्मचारियों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर देता है जो वे बॉस के सामने नहीं कर सकते। इससे नौकरी में संतुष्टि बढ़ती है और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता मजबूत होती है।

35. 'विश्वास' पद की परिभाषा दीजिए।

उत्तर- विश्वास वे विचार या धारणाएं हैं जिन्हें एक व्यक्ति सत्य मानता है। ये हमारे अनुभवों और सामाजिक अंतःक्रियाओं से बनते हैं। विश्वास हमारे दृष्टिकोण और व्यवहार का आधार बनते हैं और दुनिया को समझने के हमारे नजरिए को प्रभावित करते हैं।

अथवा

'सामाजिक संज्ञान' किसे कहते हैं?

उत्तर- सामाजिक संज्ञान वह मानसिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम सामाजिक दुनिया (लोगों और रिश्तों) के बारे में जानकारी को नोटिस करते हैं, व्याख्या करते हैं और याद रखते हैं। यह समझने में मदद करता है कि हम दूसरों के व्यवहार को कैसे समझते हैं और उनके साथ कैसे व्यवहार करते हैं।

36. बाल्यकाल में विकसित कोई चार साधारण गतिक कौशलों के नाम दीजिए।

उत्तर- बाल्यावस्था में स्थूल पेशीय कौशल का अर्थ है बड़ी मांसपेशियों का उपयोग करना।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उदाहरण के लिए: दौड़ना, एक पैर पर संतुलन बनाना, गेंद फेंकना और पकड़ना। ये कौशल बच्चों को शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने और आत्मविश्वास बढ़ाने में सक्षम बनाते हैं।

37. संगठनात्मक वातावरण क्या है?

उत्तर- संगठनात्मक वातावरण किसी संगठन का आंतरिक माहौल है जिसे उसके सदस्य अनुभव करते हैं। यह अपेक्षाकृत स्थायी होता है और कर्मचारियों के व्यवहार को प्रभावित करता है। यह दर्शाता है कि नियमों का पालन कैसे होता है और कर्मचारी एक-दूसरे व प्रबंधन के साथ कैसे संवाद करते हैं।

38. साक्षात्कारकर्ता के किन्हीं दो आवश्यक गुणों को सुझाइये।

उत्तर- एक प्रभावी साक्षात्कारकर्ता के पास दो मुख्य कौशल होने चाहिए :-

1. **सक्रिय श्रवण :** उम्मीदवार की बात को ध्यानपूर्वक और बिना पूर्वाग्रह के सुनना।
2. **रापो निर्माण :** उम्मीदवार को सहज महसूस कराना ताकि वह खुलकर अपने विचार व्यक्त कर सके।

39. संप्रेषण के तत्वों की चर्चा कीजिए। (कोई तीन)

उत्तर- संप्रेषण के चार मुख्य तत्व हैं :-

(1) प्रेषक : संदेश भेजने वाला स्रोत

(2) माध्यम : वह चैनल (जैसे बोलना, लिखना, ईमेल) जिसके द्वारा संदेश जाता है

(3) प्राप्तकर्ता : वह व्यक्ति जो संदेश प्राप्त करता है और उसका अर्थ समझता है

अथवा

समाज पर संप्रेषण माध्यमों की भूमिका एवं प्रभाव का वर्णन कीजिए।

उत्तर- जनसंचार माध्यम (मीडिया) समाज में समाजीकरण का एक शक्तिशाली साधन है।

1. **सकारात्मक प्रभाव :** यह सूचना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करता है और जनमत का निर्माण करता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **नकारात्मक प्रभाव :** हिंसक टीवी कार्यक्रम या वीडियो गेम देखने से बच्चों में आक्रामकता (aggression) बढ़ सकती है। यह कभी-कभी गलत रूढ़ियों को भी बढ़ावा देता है जो हमारे नजरिए को प्रभावित करते हैं।

40. सुसंगत चरों का वर्णन कीजिए जिन्हें प्रयोगात्मक अध्ययनों के दौरान ध्यान में रखा जाता है।

उत्तर- प्रयोगात्मक अध्ययन में तीन मुख्य प्रकार के सुसंगत चरों को ध्यान में रखा जाता है :-

1. **स्वतंत्र चर :** वह चर जिसे प्रयोगकर्ता बदलता है या हेरफेर करता है (कारण)।
2. **आश्रित चर :** वह चर जिस पर प्रभाव मापा जाता है (परिणाम)।
3. **बाह्य चर :** अन्य सभी कारक जो परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए उन्हें प्रयोग के दौरान नियंत्रित या स्थिर रखा जाता है।

अथवा

एक मानकीकृत मनोवैज्ञानिक परीक्षण के गुणों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- एक अच्छे मानकीकृत परीक्षण में निम्नलिखित गुण अनिवार्य हैं :-

1. **विश्वसनीयता :** बार-बार परीक्षण करने पर भी परिणामों में स्थिरता और एकरूपता होनी चाहिए।
2. **वैधता :** परीक्षण को वही मापना चाहिए जिसके लिए उसे बनाया गया है।
3. **मानक :** समूह के औसत स्कोर जिनके साथ किसी व्यक्ति के स्कोर की तुलना की जा सके।
4. **मानकीकरण :** परीक्षण प्रशासन और स्कोरिंग की प्रक्रिया सभी के लिए एक समान होनी चाहिए।

41. दैनिक जीवन में प्रत्यक्षीकरण के विभिन्न अनुप्रयोगों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- प्रत्यक्षीकरण हमारे दैनिक जीवन का आधार है :-

1. **दूरी और गहराई का अनुमान :** गाड़ी चलाते समय या सड़क पार करते समय हम दूरी और गति का सही अनुमान प्रत्यक्षीकरण से ही लगाते हैं।
2. **पहचान :** भीड़ में किसी परिचित के चेहरे या आवाज को पहचानना।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3. **आकृतियों को समझना :** पढ़ते समय अक्षरों और शब्दों के पैटर्न को समझकर अर्थ निकालना प्रत्यक्षीकरण का ही उदाहरण है।

अथवा

अवधान के विभिन्न निर्धारकों की पहचान एवं व्याख्या कीजिए।

उत्तर- अवधान को निर्धारित करने वाले दो प्रकार के कारक हैं :-

1. **बाहरी कारक :** उद्दीपक की विशेषताएं जैसे तीव्रता (तेज आवाज), आकार (बड़ा पोस्टर), गति (चलती हुई वस्तु) और विषमता (Contrast)। ये हमारा ध्यान खींचते हैं।

2. **आंतरिक कारक :** व्यक्ति की रूचि, प्रेरणा (जैसे भूख लगने पर भोजन की गंध) और मानसिक स्थिति। ये तय करते हैं कि हम किस चीज पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

42. मानसिक आयु की संकल्पना का वर्णन कीजिए। बुद्धि का आंकलन करने के लिए परीक्षण के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- मानसिक आयु किसी व्यक्ति की बौद्धिक परिपक्वता का माप है। यदि एक 8 वर्ष का बच्चा उन प्रश्नों को हल कर लेता है जो सामान्यतः 10 वर्ष के बच्चे करते हैं, तो उसकी मानसिक आयु 10 वर्ष मानी जाएगी।

परीक्षण के प्रकार:

1. **शाब्दिक परीक्षण :** इसमें भाषा का प्रयोग होता है (साक्षर लोगों के लिए)।

2. **निष्पादन परीक्षण :** इसमें वस्तुओं को जोड़ना या ब्लॉक बनाना शामिल है (निरक्षर या बच्चों के लिए उपयोगी)।

43. अच्छे मानसिक स्वास्थ्य और स्वच्छता को बनाए रखने के लिए हम किन रणनीतियों को अपना सकते हैं?

उत्तर- अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमें ये रणनीतियाँ अपनानी चाहिए :-

1. **वास्तविकता का बोध:** अपनी क्षमताओं और सीमाओं का सही मूल्यांकन करें।

2. **सकारात्मक विचार:** नकारात्मकता छोड़कर प्रेम और आशावाद अपनाएं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3. **स्वस्थ दिनचर्या:** नियमित योग, व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद लें। इससे शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं।

अथवा

कमजोर मानसिक स्वास्थ्य के सूचकों का वर्णन करें।

उत्तर- लंबे समय तक दिखने वाले ये लक्षण कमजोर मानसिक स्वास्थ्य दर्शाते हैं:

1. अव्यवस्थित दिनचर्या: खाने-सोने का कोई नियम न होना।
2. भावनात्मक अस्थिरता: बात-बात पर गुस्सा, अत्यधिक चिंता, भय या उदासी।
3. शारीरिक समस्याएं: लगातार सिरदर्द, अनिद्रा (नींद न आना) या भूख में बहुत कमी/अधिकता।
4. नशा: तनाव दूर करने के लिए शराब या ड्रग्स का सहारा लेना।

44. अमौखिक संप्रेषण किस प्रकार हमारे रोजमर्रा के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, चर्चा कीजिए।

उत्तर- अमौखिक संप्रेषण शब्दों के बिना भावनाओं के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम है :-

1. **भावनाओं की अभिव्यक्ति:** चेहरे के हाव-भाव खुशी, दुख या गुस्से को शब्दों से बेहतर व्यक्त करते हैं।
2. **संवाद नियमन:** आँखों का संपर्क और सिर हिलाना बातचीत के प्रवाह को नियंत्रित करता है (कब बोलना/सुनना है)।
3. **विश्वसनीयता:** शारीरिक भाषा अक्सर शब्दों से अधिक सच्ची होती है और व्यक्ति के वास्तविक इरादों को उजागर करती है।

45. पंच कोशों के विकास के तरीकों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- भारतीय मनोविज्ञान के अनुसार व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए पाँचों कोशों का पुष्ट होना आवश्यक है :-

1. **अन्नमय कोश :** इसका विकास सात्विक भोजन, उपवास और नियमित आसन/व्यायाम से होता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **प्राणमय कोश :** प्राणायाम और श्वास क्रियाओं द्वारा प्राण ऊर्जा को संतुलित करके इसे विकसित किया जाता है।

3. **मनोमय कोश :** अच्छे साहित्य (स्वाध्याय), सत्संग और सकारात्मक विचारों से मन को शुद्ध किया जाता है।

4. **विज्ञानमय कोश :** तार्किक सोच, स्वाध्याय और बौद्धिक चुनौतियों के माध्यम से बुद्धि को विकसित किया जाता है।

5. **आनंदमय कोश :** निस्वार्थ सेवा (कर्मयोग), ध्यान और ईश्वर/ब्रह्मांड के साथ एकात्मता महसूस करके परम आनंद की प्राप्ति होती है।

46. 'एक सही आचार अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक है।' व्याख्या कीजिए।

उत्तर- आयुर्वेद और भारतीय परंपरा में 'आचार' (सही आचरण/दिनचर्या) को स्वास्थ्य का आधार माना गया है। इसमें मुख्य रूप से दो पहलू शामिल हैं :-

1. **दिनचर्या :** इसमें सूर्योदय से पहले उठना (ब्रह्ममुहूर्त), पानी पीना, शौच, दातुन, स्नान और व्यायाम शामिल है। एक निश्चित समय पर भोजन और नींद लेने से शरीर की 'जैविक घड़ी' (Biological Clock) संतुलित रहती है।

2. **ऋतुचर्या :** मौसम के अनुसार खान-पान और वस्त्रों में बदलाव करना। जैसे गर्मियों में हल्का भोजन और सर्दियों में पौष्टिक भोजन। सही आचार का पालन करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं, पाचन तंत्र मजबूत होता है और मानसिक शांति बनी रहती है, जो अच्छे स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है।

47. क्लासिकी अनुबंधन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

उत्तर- क्लासिकी अनुबंधन (Classical Conditioning) इवान पावलव द्वारा दिया गया सीखने का सिद्धांत है। इसकी प्रक्रिया तीन चरणों में होती है :-

1. **अनुबंधन पूर्व :** जब भोजन (स्वाभाविक उद्दीपक-UCS) दिया जाता है, तो कुत्ता लार (स्वाभाविक अनुक्रिया-UCR) टपकाता है। केवल घंटी (तटस्थ उद्दीपक) बजाने पर कोई लार नहीं आती।

2. **अनुबंधन के दौरान :** भोजन देने से ठीक पहले घंटी (CS) बजाई जाती है। इसे कई बार दोहराया जाता है। इस साहचर्य से कुत्ता घंटी और भोजन के बीच संबंध जोड़ना सीख लेता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3. **अनुबंधन के बाद :** अब भोजन न देने पर भी, केवल घंटी (CS) की आवाज सुनकर कुत्ता लार (अनुबंधित अनुक्रिया-CR) टपकाने लगता है। यह सिद्धांत बताता है कि हम आदतों और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं (जैसे डर) को कैसे सीखते हैं।

अथवा

पुनर्बलन के मुख्य प्रकार क्या हैं? क्रियाप्रसूत अनुबन्धन में पुनर्बलन की भूमिका को समझाइये।

उत्तर- पुनर्बलन वह घटना है जो किसी व्यवहार के भविष्य में दोहराए जाने की संभावना को बढ़ाती है।

मुख्य प्रकार:

1. **धनात्मक पुनर्बलन (Positive) :** व्यवहार के बाद कोई सुखद परिणाम (जैसे इनाम, प्रशंसा) मिलना।

2. **ऋणात्मक पुनर्बलन (Negative):** व्यवहार करने पर किसी कष्टदायक स्थिति का हट जाना (जैसे तेज धूप से बचने के लिए चश्मा लगाना)।

भूमिका: क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning - स्किनर) में पुनर्बलन की भूमिका केंद्रीय है। प्राणी वही व्यवहार सीखता है जिसके बाद उसे पुनर्बलन मिलता है। यदि किसी कार्य का परिणाम सुखद है, तो वह व्यवहार मजबूत होता है (सीखा जाता है)। यदि परिणाम अप्रिय है या पुनर्बलन नहीं मिलता, तो व्यवहार कमजोर हो जाता है या विलुप्त हो जाता है।

48. पूर्व संक्रियात्मक अवस्था की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर- जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत के अनुसार 'पूर्व संक्रियात्मक अवस्था' (Pre-operational Stage) लगभग 2 से 7 वर्ष की आयु तक होती है। इसकी मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

1. **अहंकेन्द्रवाद (Egocentrism) :** बच्चा दुनिया को केवल अपने नजरिए से देखता है। वह दूसरों के दृष्टिकोण को समझने में असमर्थ होता है।

2. **जीववाद (Animism) :** बच्चा निर्जीव वस्तुओं (जैसे गुड़िया, बादल, कार) में जीवन और भावनाओं का आरोपण करता है।

3. **केन्द्रिकरण (Centration) :** बच्चा किसी वस्तु या घटना के केवल एक पहलू (जैसे लंबाई) पर ध्यान देता है और अन्य पहलुओं (जैसे चौड़ाई) की उपेक्षा करता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

4. **अपलटावीपन (Irreversibility) :** बच्चा मानसिक क्रियाओं को उल्टा नहीं कर पाता (जैसे यह न समझ पाना कि पानी बर्फ बन सकता है और बर्फ वापस पानी)।

अथवा

सामाजीकरण से आप क्या समझते हैं? पालन पोषण के मुख्य तरीके बताइए।

उत्तर- यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति जन्म से लेकर मृत्यु तक अपने समाज के मूल्यों, विश्वासों, मानदंडों और व्यवहार के तरीकों को सीखता है। यह बच्चे को समाज का एक जिम्मेदार सदस्य बनाता है।

पालन-पोषण के तरीके (Parenting Styles) :-

1. **सत्तावादी :** माता-पिता सख्त नियम बनाते हैं और बिना प्रश्न किए आज्ञापालन चाहते हैं। स्नेह कम और नियंत्रण अधिक होता है।

2. **अनुमोदक :** माता-पिता बहुत कम नियम बनाते हैं और बच्चों को मनमानी करने देते हैं। स्नेह अधिक लेकिन नियंत्रण न के बराबर होता है।

3. **लोकतांत्रिक :** यह सबसे आदर्श शैली है। इसमें माता-पिता बच्चों को नियम भी समझाते हैं और उनकी राय भी सुनते हैं। यहाँ स्नेह और अनुशासन का सही संतुलन होता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success